हिन्दी–विभाग
इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी

परीक्षा योजना

एवम्

पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिन्दी) दो वर्षीय पाठ्यक्रम

चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी बी सी एस)/

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना (एल ओ सी एफ)

राष्ट्रीय शिक्षा पद्धति– 2020 के अनुरूप

शैक्षणिक सत्र 2024–2025 से चरणबद्ध तरीके से प्रभावी

इन्दिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर, रेवाड़ी
परीक्षा योजना एम.ए. हिन्दी (NEP-2020)

Semester-I **Credits= 26** **Marks=650**

Sr. No.	Type of Course	Paper Code	Subjects	Credit			Contact Hours Per Week			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical	Total	Theory	Practical /Tutorial	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	CC-1	24L6.0-HIN-101	आदिकालीन एवम् मध्यकालीन कविता	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
2	CC-2	24L6.0-HIN-102	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
3	CC-3	24L6.0-HIN-103	हिन्दी कथा साहित्य	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
4	CC-4	24L6.0-HIN-104	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
5	CC-5	24L6.0-HID-105	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
6	D.E.C -1	24L6.0-HIN-106 106 (i) 106 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) कबीरदास (ii) तुलसीदास	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
7	Seminar	24L6.0-HIN-107	संगोष्ठी	--		--	--	--	2	--	50	--	50
Total				**24**	**--**	**24**	**24**	**--**	**26**	**420**	**230**	**--**	**650**

C.C. = Core Course **D. E. C.= Discipline Elective Course**

Semester-II **Credits= 26** **Marks=650**

Sr. No.	Type of Course	Paper Code	Subjects	Credit			Contact Hours Per Week			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical	Total	Theory	Practical Tutorial	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	CC-6	24L6.0-HIN-201	आधुनिक हिंदी कविता–1	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
2	CC-7	24L6.0-HIN-202	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
3	CC-8	24L6.0-HIN-203	कथेतर हिन्दी साहित्य	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
4	CC-9	24L6.0-HIN-204	भारतीय काव्यशास्त्र	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
5	CC-10	24L6.0-HIN-205	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
6	D.E.C -2	24L6.0-HIN-206 206 (i) 206 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्यार्थी द्वारा किया जाएगा (i) प्रेमचन्द (ii) अज्ञेय	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
7	CHM	24L6.0-CHM-201	सवैंधानिक मानवीय और नैतिक मूल्य	2	--	2	2	..	2	35	15		50
Total				**26**	**--**	**26**	**26**	**--**	**26**	**455**	**195**	**--**	**650**

C.C. = Core Course **D.C.E.C. = Discipline Elective Course**

- An internship course of 4 Credits of 4-6 weeks duration during summer vacation after IInd semester. Internship can be either for enhancing the employability or for developing the research aptitude.

Semester-III **Credits= 26** **Marks=650**

Sr. No.	Type of Course	Paper Code	Subjects	Credit			Contact Hours Per Week			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical	Total	Theory	Practical Tutorial	Total	Exam	Internal Assessment	Practical /Project	
1	CC-11	24L6.0-HIN-301	आधुनिक हिंदी कविता–2	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
2	CC-12	24L6.0-HIN-202	पाश्चात्य काव्यशास्त्रं	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
3	D.E.C -3	24L6.0-HIN-303	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) जयशंकर प्रसाद (ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
4	D.E.C-4	24L6.0-HIN-304	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) सूरदास (ii) मीराबाई	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
5	D.E.C-5	24L6.0-HIN-305	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) बिहारी (ii) घनानन्द	4	--	4	4	--	4	70	30		25
6	D.E.C -6	24L6.0-HIN-306	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) महादेवी वर्मा (ii) सुमित्रानन्दन पंत	4	--	4	4	--	4	70	30	--	25
7	O.E.C	24L6.0-HIN-307	संप्रेषण कौशल	2	--	2	2	--	2	35	15	--	50
Total				**26**	**--**	**26**	**26**	**--**	**26**	**455**	**195**	**--**	**650**

C.C. = Core Course **D.E.C. = Discipline Elective Course** **O.E.C = Open Elective Course**

Semester-IV **Credits= 26** **Marks=650**

Sr. No.	Type of Course	Paper Code	Subjects	Credit			Contact Hours Per Week			Examination Scheme			Total
				Theory	Practical	Total	Theory	Practical Tutorial	Total	Exam	Internal Assessment	Practical	
1	CC-13	24L6.0-HIN-401	हिंदी आलोचना	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
2	CC-14	24L6.0-HIN-402	शोध प्रविधि एवम् प्रक्रिया	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
3	D.E.C -7	24L6.0-HIN-403 403 (i) 403 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) अस्मितामूलक साहित्य चिंतन (स्त्री, दलित, आदिवासी आदि) (ii) समकालीन हिन्दी कविता	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
4	D.E.C-8	24L6.0-HIN-404 404 (i) 404(ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) लोक साहित्य : संदर्भ एवं पाठ (ii) प्रवासी साहित्य	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
5	D.E.C-9	24L6.0-HIN-405 405(i) 405(ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) समकालीन साहित्य चिंतन (मार्क्सवाद से विखण्डनवाद तक की विचारधाराओं के संदर्भ में) (ii) हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएं,पत्रिकाएं,आन्दोलन,केन्द्र)	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
6	D.E.C-10	24L6.0-HIN-406 406 (i) 406 (ii)	निम्निलिखित में से किसी एक का चयन विद्याार्थी द्वारा किया जाएगा (i) आधुनिक भारतीय साहित्य (ii)अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	4	--	4	4	--	4	70	30	--	100
7	EEC	24L6.0-HIN-407		1	1	1	1	1	2	35	15		50
				26	**--**	**26**	**26**	**1**	**26**	**455**	**195**	**--**	**650**

C.C. = Core Course **D.E.C. = Discipline Elective Course**

प्रथम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-101
आदिकालीन और मध्यकालीन कविता

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रमुख कवियों और उनके काव्य का विशिष्ट ज्ञान।
- हिन्दी साहित्य के आदिकालीन मध्यकालीन काव्य का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक युग का विशिष्ट ज्ञान।
- प्रमुख कवियों व उनके काव्य सरोकारों तथा शिल्प की समझ का विकास।
- समतापरक समाज की आवश्यकताओं की समझ का विकास।
- सामाजिक सांस्कृतिक चेतना की अन्तर्दृष्टि, परम्पराओं और मूल्यों की समझ का विकास।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3. इकाई 2, 3 एवं 4 से छः अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4. निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनो ं प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि
आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य की विचारधारा, स्वरूप
भक्तिकाल का स्वरूप एवं दर्शन
रीतिकाल : युगबोध, अन्तर्वस्तु और सौन्दर्य विधान

इकाई– 2

सरहपा (सरहपा : सं0 विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, साहित्य अकादमी,दिल्ली)– कुल 5 पद

ब्राह्मण न जानते भेद मिथ्या ही जगवाह भुले

गुरू वचन सगं सिद्धो जब्बै
संबर चित राग दृड चंगा
जौ परखै सर्प डंसै सोई मरें
ऊँचा ऊँचा पावत,ताई बसैं सबरि वाला

अमीर खुसरो – (अमीर खुसरो :व्यक्तित्व और कृतित्व – डॉ० परमानन्द पांचाल, हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली) – (कुल 5 पद)

जे हाल ए मिंस्की मकुन तगाफुल
अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत)
काहे को ब्याही विदेस रे (गीत)
बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)
छाप तिलक तज दीन्हीं रे तो से नैना मिलाके (कव्वाली)

विद्यापति (विद्यापति की पदावली : सपादक रामवृक्ष बेनीपुरी)
निर्धारित पद 1, 2, 5, 6, 9 कुल पाचॅ पद

इकाई– 3

कबीर – (कबीर – संपादक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली)

पाठ्य पद– 160, 162, 163, 164, 165, 168, 175, 177, 191, 201 (कुल 10 पद)

सूरदास : (भ्रमरगीत सार : संपादक रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली)
निर्धारित पद– : 21, 23, 24, 25, 29, 34, 38, 42, 52, 64 =कुल 10 पद

तुलसीदास : (कवितावली : उत्तरकाण्ड – गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित पद – 8, 26, 27, 29, 30, 32, 33, 35, 57, 96, 97 = कुल 10 पद

इकाई –4

जायसी – (पदमावत – स0 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली)
नागमती वियोग खण्ड

मीराबाई – (मीरा – सं0 विश्वनाथ त्रिपाठी)
पद सं0 – 2, 9, 10, 11, 19 (कुल 5 पद)

बिहारी सतसई – (सं० जगन्नाथ दास रत्नाकर) –
छंद सं0 – 1, 2, 3, 14, 15, 16, 17, 25, 26, 28 (कुल 10 छंद)

घनानन्द – (घनानन्द का काव्य : सं० रामदेव शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली) – कुल 5 पद

1. अति सूधो स्नेह को मारग है
2. हीन भये जल मीन अधीन
3. परकाजहिं देह को धारि फिरो
4. पुर भवन में मौन कए घूंघट
5. फैल रही धर अंबर पुरी

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नईदिल्ली
मलिक मुहम्मद जायसी : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

सूरदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
सूर साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
जायसी : विजयदेव नारायण साही – हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
मीरा का जीवन : अरविंद सिंह तेजावत – लोकभारती प्रकाशन
हिंदी रीति साहित्य : भगीरथ मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह – लोकभारती प्रकाशन
कबीर : साखी और सबद : सं० पुरुषोत्तम अग्रवाल, नेशनल बुक ट्रस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली
घनानन्द का काव्य : रामदेव शुक्ल – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
सरहपा : सं० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय – साहित्य अकादमी, दिल्ली
अमीर खुसरोःव्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ० परमानन्द पांचाल – हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-102

हिंदी साहित्य का इतिहास
(आदिकाल से रीतिकाल तक)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिन्दी साहित्य के प्राचीन इतिहास का ज्ञान
- आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन कालखंडों की परिस्थितियों, प्रमुख रचनाओं, काव्यगत विशेषताओं तथा प्रवृतियों का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास के प्रति अभिरूचि का निर्माण होगा।
- प्रारंम्भिक और मध्यकालीन प्रवृत्तियों का बोध।
- सामाजिक सांस्क्तिक और राजनीतिक परिस्थितियों का बोध।
- तत्कालीन कवियों के योगदान का समालोचनात्मक ज्ञान।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई–1

साहित्य के इतिहास की अवधारणा
हिंदी में साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा
साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई–2

आदिकालः नामकरण एवं पृष्ठभूमि
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लोक साहित्य।

इकाई–3

भक्तिकालः सामाजिक, सांस्कृतिक और दार्शनिक पृष्ठभूमि
वैष्णव भक्ति का उदय और दक्षिण के आलवार संत
निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरूप एवं प्रवृतियाँ
भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का परिचय
भक्तिकालीन गद्य–साहित्य

इकाई–4

दरबारी संस्कृति और रीतिकाल
रीतिकालः परिस्थितियाँ एवं नामकरण
रीति कवियों का आचार्यत्व
रीति सिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं,
रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनका काव्य

सहायक पुस्तकें –

हिंदी साहित्य का इतिहास– रामचंद्र शुक्ल , नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
हिंदी साहित्य का इतिहास– सं. डॉ. नगेंद्र– मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली।
त्रिवेणी– रामचंद्र शुक्ल– नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
हिंदी साहित्य का आदिकाल– हजारी प्रसाद द्विवेदी–बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
हिंदी साहित्य की भूमिका– हजारी प्रसाद द्विवेदी– राजकमल, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास– हजारी प्रसाद द्विवेदी– राजकमल, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का अतीत(दो खण्ड)– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र– वाणी प्रकाशन।

रीतिकाल की भूमिका– डॉ. नगेंद्र– नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिंदी रीति साहित्य– भगीरथ मिश्र– राजकमल, नई दिल्ली।
परंपरा का मूल्यांकन– रामविलास शर्मा– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
लोक जागरण और हिंदी साहित्य– रामविलास शर्मा– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– विश्वनाथ त्रिपाठी , ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली।
वैष्णव भक्ति का उदय और विकास– सुवीरा जायसवाल– ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली।
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास– रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद।
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य– शिवकुमार मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद।
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ0 रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
संत काव्य – परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद।

प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-103

हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिन्दी उपन्यास एवं कहानी के विकास क्रम की जानकारी देना।
- प्रेमचन्दयुगीन हिन्दी उपन्यास एवं कहानी के साथ – साथ समकालीन हिन्दी कहानी से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- उपन्यास एवं कहानी की विकास यात्रा के विविध सोपानों का ज्ञान प्राप्त करने से तत्कालीन परिस्थितियों, समाज, संस्कृति से अवगत होते हुए समीक्षात्मक दृष्टि का विकास होगा।
- समकालीन उपन्यास एवं कहानी में आधुनिकता की अंतर्दृष्टि और जीवन के विभिन्न आयामों का बोध।
- प्रारम्भिक कहानी से लेकर विविध कहानी आन्दोलनों से परिचित कराना
- प्रमुख रचनाकारों की रचनाओं के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों का ज्ञान प्रदान करना।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनो ं प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई–1

हिंदी कहानीः उद्‌भव, विकास और स्वरूप
प्रेमचंदयुगीन हिंदी कहानी
विविध कहानी आन्दोलन
उपन्यास : अवधारणा, उद्‌भव और विकास
प्रेमचन्दयुगीन हिंदी उपन्यास और भारतीय परिवेश
प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास
देश विभाजन और हिंदी उपन्यास
स्त्री उपन्यास लेखन
1990 के बाद के हिन्दी उपन्यास

इकाई–2

उपन्यास

प्रेमचन्द : गोदान
हजारीप्रासद द्विवेदी : बाणभट्‌ट की आत्मकथा

इकाई–3

निर्धारित कहानियाँ

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
ईदगाह – प्रेमचंद
आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु
परिंदे – निर्मल वर्मा

इकाई–4

निर्धारित कहानियाँ

चीफ की दावत – भीष्म साहनी
पिता – ज्ञानरंजन
यही सच है – मन्नू भडारी
हरी बिंदी – मृदुला गर्ग
घुंसपैठिये – ओमप्रकाश वाल्मीकि

सहायक पुस्तकें –

कथा सरित्सागर–(तीन खण्ड)– बिहार राश्ट्र भाषा परिषद् पटना।
हिंदी कहानी का विकास– गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
प्रेमचंद और उनका युग– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
कहानी नई कहानी– नामवर सिंह लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
नई कहानीः संदर्भ एवं प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ– सुरेन्द्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
हिंदी कहानीः रचना और परिस्थिति– सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
हिंदी कहानीः अस्मिता की तलाश– मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकुला।
कहानी का लोकतंत्र– पल्लव, आधार प्रकाशन , पंचकुला।
हिंदी कहानीः वक्त की शिनाख्त और सृजन का राग– रोहिणी अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
हिंदी कहानी का विकास– मधुरेश– लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राजकमल, नई दिल्ली।
कहानी का ताना बाना – जोगेन्द्र पॉल, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
उपन्यास दशक – राजेन्द्र यादव, हिन्दी अकादमी दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-104
भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भाषा के वैज्ञानिक स्वरूप को समझते हुए हिन्दी भाषा की वैज्ञानिक दृष्टि से परिचित कराना।
- भारत के भाषा परिवारों और प्रमुख भाषाओं का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- हिन्दी भाषा के प्रयोग और उच्चारण की क्षमता का विकास।
- अन्य भारतीय लोक भाषाओं के भाषिक स्वरूप का परिचय।
- भाषा के विविध रूपों का ज्ञान तथा लेखन शैली की स्पष्टता का बोध।
- भाषा की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान तथा हिन्दी के वैश्विक महत्त्व का बोध।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई –1

भाषा की परिभाषा और प्रवृत्ति
भाषा अध्ययन की दिशाएं –वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक
हिन्दी की उपभाषाएं : पूर्वी हिन्दी और उसकी बोलियाँ, पश्चिमी हिन्दी और उसकी बोलियाँ

हिन्दी के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा
आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और ग्रियर्सन का वर्गीकरण
काव्य भाषा के रूप में अवधी का विकास
काव्य भाषा के रूप में ब्रज का विकास
साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का विकास
हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

इकाई –2

ध्वनि उत्पादन की प्रक्रिया
स्वर एवं व्यंजन : परिभाषा और वर्गीकरण
स्वनगुण एवं उसकी सार्थकता
स्वनिक परिवर्तन की दिशाएं

इकाई –3

शब्द : परिभाषा और वर्गीकरण
वर्तनी : परिभाषा और स्वरूप
भाषा की प्रथम और सहज इकाई के रूप में वाक्य
वाक्य की गहन एवं बाह्य संरचना
वाक्य के प्रकार :
(i) रचना की दृष्टि से
(ii) अर्थ की दृष्टि से
हिन्दी का मानकीकरण

इकाई –4

अर्थ : परिभाषा, शब्द–अर्थ संबंध
अर्थ–परिवर्तन की दिशाएं
भाषा और व्याकरण संबंध
नागरी लिपि : नामकरण और सुधार का इतिहास
नागरी लिपि की वैज्ञानिकता
नागरी लिपि का मानकीकरण
हिन्दी : प्रचार–प्रसार प्रमुख व्यक्तियों का योगदान
प्रमुख संस्थाओं का योगदान

सहायक पुस्तकें –

भाषा और हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 नरेश मिश्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
भाषाविज्ञान एवं हिंदी – डॉ0 नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड संज, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली
हिंदी भाषा – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद
भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी, किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद
भाषाविज्ञान की भूमिका – प्रो0 देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज दिल्ली
हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयाग
हिंदी : उद्भव विकास और रूप – डॉ0 हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद
सामान्य भाषाविज्ञान – डॉ0 बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन– डॉ0 दीप्ति शर्मा, बिहार ग्रंथ अकादमी कदमकुआँ, पटना
आधुनिक भाषाविज्ञान, कृपाशंकर सिंह– चतुर्भुज सहाय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली
हिन्दी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी की आत्मा – डॉ धर्मवीर, समता प्रकाशन दिल्ली।
देवनागरी लिपि का मानकीकरण – हिन्दी कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली।

प्रथम सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-105
हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- नाटक के रचना विधान और रंगमंचीय पक्ष का आधुनिक दृष्टि से ज्ञान।
- हिन्दी के नाट्य साहित्य के विकास क्रम की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- साहित्यिक रूप के साथ–साथ प्रदर्शनकारी कला का अभिन्न अंग होने के कारण नाटक की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धति का विकास होगा
- विभिन्न भाषाओं के नाटकों के अध्ययन से उनमें व्यक्त लोक जीवन के प्रति व्यापक दृष्टि विकसित होगी।
- नाटक और रंगमंच के विकास क्रम की जानकारी, नाटककारों की नाट्य कला के अध्ययन तथा रंगमंचीय कला का ज्ञान प्राप्त करके अभिनय कला का विकास ।
- मनुष्य एवम् जीवन जगत के अन्तसंम्बन्धों की समझ का विकास, रंगमंच कला के विभिन्न पहलुओं का परिचय तथा रोजगार के अवसर।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनो ं प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

नाटक और रंगमंच :अवधारणा और स्वरूप
हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
हिंदी रंगमंच : उद्भव और विकास
हिंदी नाटक : आधुनिकता बोध और प्रयोगधर्मिता
नाटक और रंगमंच का अंतःसम्बन्ध
नाट्य भेद
निर्देशक, अभिनेता

इकाई – 2

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : अंधेर नगरी
जयशंकर प्रसाद : ध्रुवस्वामिनी

इकाई – 3

मोहन राकेश : आधे–अधूरे
धर्मवीर भारती : अंधायुग

इकाई – 4

लक्ष्मी नारायण मिश्र : सिन्दूर की होली
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : बकरी

सहायक पुस्तकें –

भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
भारतेन्दु युग और हिंदी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स
हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन
मोहन राकेश और उसके नाटक : गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
मोहन राकेश रंग शिल्प एवं प्रदर्शन : जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली
नाटक दशक – हिन्दी अकादमी, दिल्ली।

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-106 **(i)**
कबीरदास

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- कबीर के माध्यम से निर्गुण संतो की व्यावहारिकता, सामाजिकता का ज्ञान
- समकालीन संदर्भो में कबीरदास की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- कबीर वाणी में निहित समाज सुधार की गहरी चिंताओं के द्वारा जीवन में सच्चे अर्थो में मनुष्यता का विकास।
- निर्गुण भक्ति के ज्ञान और प्रेम की महता के माध्यम से नयी मूल्य दृष्टि का विकास।

- आडम्बरों, कुरीतियों, और भेदभाव से मुक्त समाज निर्माण की प्रेरणा का विकास ।
- हिन्दी आलोचना में कबीरदास के चिंतन से आलोचनात्मक समझ का विकास।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

2 पूरे पाठ्यक्रम से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 इकाई 3 एवं 4 से 5 अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं 3 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम 1 व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

कबीर का समय
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भक्ति भावना
कबीर के राम
कबीर की भाषा

इकाई– 2

कबीर की क्रांति चेतना
कबीर का स्त्री–विषयक चिंतन
कबीर की मानवतावादी दृष्टि
कबीर के पारिभाषिक शब्द
अलख, सहज, शून्य, निरंजन, अजपाजाप, अनहदनाद, सुरति निरति,
नाद बिन्दु, औंधा कुँआ

इकाई– 3

कबीर ग्रंथावली : सं० श्यामसुन्दर दास (निर्धारित 30 पद)
पद संख्या : 1 ,8, 14, 16 ,21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59, 60, 61, 64,
80, 89, 91, 92, 111, 117, 129, 132, 136, 139, 153, 156

इकाई– 4

साखी
गुरुदेव कौ अंग –1, 2, 4, 9, 11, 12, 13, 15, 20, 34 (10)
बिरह कौ अंग – 3, 6, 11, 12, 18, 22, 25 ,27, 29, 33 (10)
निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग – 2, 3, 4, 5, 6, 9, 14, 15, 16, 28 (10)
माया कौ अंग – 6, 7, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 17, 20,(10)
कुसंगति कौ अंग
संगति कौ अंग
साध कौ अंग
विचार कौ अंग
कस्तूरियां मृग कौ अंग

सहायक पुस्तकेः–

कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
कबीर मीमांसा : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
उत्तर भारत की संत परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी – भारती भण्डार, इलाहाबाद
हिंदी काव्य में निर्गुणधारा : पीत्ताम्बर दत्त बड़थ्वाल – अवध पब्लिशिंग हाउस, लखनऊ
कबीर की विचारधारा : गोविंद त्रिगुणायत – साहित्य निकेतन, कानपुर
हिंदी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर : डॉ० राजदेव सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
संत कबीर : डॉ० रामकुमार वर्मा – साहित्य भवन, इलाहाबाद

प्रथम सेमेस्टर
षष्ठ प्रश्नपत्र

24L6.0-HIN-106 **(ii)**
तुलसीदास

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- तत्कालीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में तुलसीदास के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व से परिचित कराना।
- तुलसीदास की क/व्य कला से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- तुलसीदास की युगीन परिस्थितियों से अवगत होते हुए, काव्य कला की श्रेष्ठता तथा काव्यगत मूल्यों को धारण करना।
- भक्ति नीति, दर्शन, संस्कृति, राष्ट्रप्रेम, आदि पर आधारित मूल्यों को धारण करते हुए वर्तमान को सुखद बनाना
- अध्यात्य और भौतिकतावाद में सामंजस्य बनाने की शक्ति, क्षमता को विकसित करना
- तुलसीदास के काव्य की प्रासंगिकता से परिचित कराना।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 पूरे पाठ्यक्रम से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 3 एवं 4 से 5 अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं 3 अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम 1 व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास
रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास
तुलसी का समाज दर्शन

इकाई– 2

तुलसीदास की लोकमगंल एवं समन्वय की भावना
तुलसी काव्य की प्रासंगिकता
तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई– 3

रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
उत्तरकाण्ड

इकाई– 4

कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित छंद – 29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 84, 88 (10 छंद)

सहायक ग्रंथः–

गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
तुलसी : राममूर्ति त्रिपाठी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
तुलसी दर्शन मीमांसा : उदयभानु सिंह – नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
भक्ति आंदोलन और आचार्य रामचंद्र शुक्ल : वैजनाथ प्रसाद – विशाल पब्लिकेशंस, पटना
तुलसी संदर्भ : डॉ० नगेन्द्र – वाणी प्रकाशन, दिल्ली
तुलसीदास : माताप्रसाद गुप्त – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र – लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद
तुलसीदास : अजय तिवारी – आधार प्रकाशन, पंचकूला
भक्ति, नीति और दर्शन : हरिश्चन्द्र वर्मा – आधार प्रकाशन

प्रथम सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्नपत्र
संगोष्ठी (Seminar)

24L6.0-HIN-107

संगोष्ठी (Seminar)

पूर्णांक : 50 अंक

द्वितीय सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र

24L6.0-HIN-201
आधुनिक हिंदी कविता–I

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- काव्य के विकास के चरणों के साथ प्रमुख कवियों का ज्ञान प्राप्त कराना।
- तत्कालीन युगीन साहित्यिक, सामाजिक, प्रवृत्तियों और परिस्थितयों से अवगत कराते हुए काव्यगत विशेषताओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- कविता की विकास यात्रा के विविध सोपानों का ज्ञान ।
- तत्कालीन समाज, संस्कृति को आत्मसात करते हुए समीक्षा की दृष्टि का विकास।
- देशप्रेम और राष्ट्रीय चेतना का विकास।
- युग के कवियों द्वारा योगदान किए गये कार्यो का बोध।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई–1

आधुनिकता की अवधारणा और हिन्दी कविता में
आधुनिकता
हिन्दी नवजागरण
भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता
राष्ट्रीय काव्यधारा
छायावाद; की पृष्ठभूमि
छायावाद की प्रवृत्तियाँ
छायावाद के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य

इकाई–2

निर्धारित कविताएँ

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – निज भाषा

मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती (वर्तमानखंड)

जयशंकर प्रसाद – कामायनी (श्रद्धा, सर्ग)

इकाई–3

निर्धारित कविताएँ

निराला : राम की शक्तिपूजा

सुमित्रानंदन पंत : परिवर्तन, प्रथम रश्मि

इकाई–4

महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मै तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे

दिनकर : रश्मिरथी – षष्ठ सर्ग

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का वृहत् इतिहास–(खण्ड–8,9,10)– नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी ।

आधुनिकता बोध– रामधारी सिंह दिनकर– नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य– वीरभारत तलवार– किताब घर, नई दिल्ली।

छायावाद– नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

निराला की साहित्य साधना–1,2,3– रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास– नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।

निराला : एक आत्महंता आस्था– दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद।

कामायनीः एक पुनर्विचार– मुक्तिबोध– राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

कामायनीः एक पुनर्मूल्यांकन– रामस्वरूप चतुर्वेदी– लोकभारती इलाहाबाद।

महादेवी वर्मा– दूधनाथ सिंह– राजकमल, नई दिल्ली।

पंत और पल्लव– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–गंगा ग्रंथागार, लखनऊ।

जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी– भारती भण्डार, इलाहाबाद।

छायावाद और नवजागरण– महेन्द्रनाथ राय– राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

कल्पना और छायावाद– केदारनाथ सिंह– वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

हिंदी में छायावाद– मुकुटधर पाण्डेय– तिरुपति प्रकाशन, हापुड़।

भारतीय स्वछंदतावाद और छायावाद– प्रेमशंकर– वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

दिनकर – विजेन्द्र नारायण सिंह

समालोचक – पत्रिका (यथार्थवाद विशेषांक) अनामिका प्रकाशन

कसौटी – सं0 नंदकिशोर नवल (15 वां अंक)

वर्तमान साहित्य – कविता के सौ बरस

द्वितीय सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-202
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
- हिन्दी गद्य के उद्भव और विकास का विशिष्ट ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- आधुनिक काल की विविध प्रवृत्तियों एवं विशेषताओं का ज्ञान ।
- इतिहास लेखन और साहित्य की विभिन्न विधाओं के विकास की समझ।
- आधुनिक अवधारणाओं के परिचय से समकालीन स्थितियों के लिए प्रांसगिक विषयों का निर्माण करने की समझ का बोध।
- साहित्य में आलोचना की विभिन्न धाराओं के प्रति एक महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण का विकास

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

हिंदी गद्य का उदभ्व और विकास
1857 की क्राति और सांस्कृतिक नवजागरण
भारतेदुंमंडल और उनका युग
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक
राष्ट्रवादी एवं स्वछन्दतावादी काव्यधारा के कवियों का परिचय

इकाई– 2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य, प्रवृतियाँ
प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य
प्रयोगवाद के मुख्य कवि और काव्य
नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि

इकाई– 3

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास –1)

कहानी और उपन्यास
नाटक और एंकाकी
निबन्ध
आलोचना

इकाई– 4

(हिन्दी में गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास –2)

आत्म कथा ,जीवनी, ,संस्मरण रेखाचित्र रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, डायरी
हिन्दी का प्रवासी साहित्य
प्रमुख आस्मितावादी विमर्श (स्त्री ,दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किसान, पर्यावरण
पत्र पत्रिकाएँ

सहायक ग्रंथ

हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
हिंदी साहित्य : उदभव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी कविता का अतीत और वतर्मान : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
उपन्यास और लोकतन्त्र : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा० लि०, नई दिल्ली
हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएं : अवधेश प्रधान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
आदिवासी साहित्य का इतिहास : हरिराम मीणा
इतिहास क्या है : ई०एच०कार – मैकमिलन प्रकाशन
स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोवुअर – हिंदी पॉकेट बुक्स

द्वितीय सेमेस्टर
तृतीय प्रश्नपत्र

24L6.0-HIN-203
कथेतर हिन्दी साहित्य

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

- हिन्दी साहित्य के विकास में हिन्दी गद्य विधाओं का विकास क्रमानुसार परिचय कराना।
- विभिन्न कथेतर गद्य लेखकों की रचनाओं का बोध।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- आधुनिकता और गद्य के अन्तर्सम्बन्धों का बोध।
- युगीन संदर्भों के आलोंक में गद्य विधाओं का बोध।
- गंभीर भाव चिंतन हास्य और मनोरंजन का निर्माण
- पाठ के केन्द्रीय भाव की समीक्षात्मक दृष्टि का विकास।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।

3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।

4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

हिंदी गद्य की निर्माणभूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज
आधुनिकता और गद्य का अंतर्सम्बन्ध
भारतेन्दु पूर्व हिंदी गद्यकारों का योगदान : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खाँ, सदासुख लाल,
शिवप्रसाद सितारे हिंद, राजा लक्ष्मण सिंह
हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का योगदान
हिन्दी निबंध रेखाचित्र, यात्रा–वृतांत, संस्मरण, रिपोर्ताज, आत्मकथा, जीवनी, डायरी,
व्यंग्य और लघुकथा लखेन की परपंरा का संक्षिप्त अध्ययन

इकाई– 2

निबंध

बालकृष्ण भट्ट	:	साहित्य जनसमूह के हदय का विकास
रामचंद्र शुक्ल	:	कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी	:	नाखून क्यों बढते है
अध्यापक पूर्ण सिंह	:	मजदूरी ओर प्रेम
हरिशंकर परसाई	:	पगडंडियों का जमाना

इकाई– 3

संस्मरण

महादेवी वर्मा : (अतीत के चलचित्र) – रामा, बिन्दा, घीसा लछमा, सबिया,

आत्मकथा

पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र' – अपनी खबर

इकाई– 4

जीवनी

विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा का अंश –पहला पर्व

यात्रावृतान्त

निर्मल वर्मा : चीडो पर चांदनी

सहायक पुस्तकें :–

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
भारतेन्दु युग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : सं० शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी साहित्य का आधा इतिहास : सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
हिंदी गद्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन

द्वितीय सेमेस्टर
चतुर्थ प्रश्नपत्र

24L6.0-HIN-204
भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- काव्यशास्त्र की निर्मिति – प्रक्रिया और उसकी अंतर्वस्तु से परिचय कराना।
- भारतीय काव्यशास्त्र के ज्ञान से अतीत और वर्तमान के बीच आलोचनात्मक सम्बन्धों का निर्माण।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- भारतीय काव्यशास्त्र की सम्पूर्ण रूपरेखा का ज्ञान।
- रचनाओं के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा
- प्राचीन भारतीय साहित्यिक विचारों का बोध।
- सौन्दर्यात्मक आनंद के सिद्धान्त और साहित्यिक सिद्धान्तों के विभिन्न रूपों का बोध।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

काव्य : स्वरूप और प्रकार
काव्य : अर्थ और परिभाषा, काव्य के तत्व
काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन
काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

इकाई– 2

रस––सिद्धान्त
रस : परिभाषा तथा स्वरूप
रस–निष्पत्ति,

साधारणीकरण
अलंकार सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

इकाई– 3

रीति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

इकाई– 4

ध्वनि सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ
औचित्य सिद्धान्त : स्वरूप तथा स्थापनाएँ

सहायक पुस्तकें –

काव्यशास्त्र–भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास–भगीरथ मिश्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।
भारतीय काव्यशास्त्र–योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
भारतीय काव्यशास्त्र–सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, नई दिल्ली ।
काव्य के रूप–गुलाबराय, प्रतिभा प्रकाशन मंदिर, दिल्ली ।
साहित्यालोचन–श्यामसुन्दरदास, इण्डियन प्रैस, प्रयाग ।
हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास–भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन, देहरादून ।
आलोचक और आलोचना–बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, दिल्ली ।
साहित्य का आधार दर्शन–जयनाथ 'नलिन', आलोक प्रकाशन, भिवानी ।
हिंदी आलोचना का विकास–डॉ0 सुरेश सिन्हा, रामा प्रकाशन, लखनऊ ।
हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली–डॉ0 अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

द्वितीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र

24L6.0-HIN-205
जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम के अपेक्षित उद्देश्य

- हिन्दी मीडिया संरचना और उपांगों की समझ विकसित करना।
- जनसंचार माध्यमों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- टीवी लेखन, रेडियो, पत्रकारिता, समीक्षा, सम्पादकीय लेखन आदि की तकनीकी समझ का विकास।
- जनसंचार की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर छात्रों में विभिन्न प्रकार के लेखन कार्यो की समझ का विकास।
- मीडिया की ताकत के विश्लेषण की क्षमता का विकास।
- अधिकारिक प्रक्रियाओं और तकनीकी शब्दों के निष्पादन में दक्षता का विकास।

नोटः–

1. पूरे पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 8 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा।

इकाई– 1

जनसंचार : अवधारणा, स्वरूप और विकास
जनसंचार के प्रमुख सिद्धान्त और सिद्धान्तकार
जनसंचार और हिंदी

इकाई – 2

प्रिंट मीडिया का स्वरूप (समाचार पत्र, पत्रिकाएं आदि)
प्रिंट मीडिया के लिए लेखन (संपादकीय, फीचर आदि)
प्रिंट मीडिया की भाषा

इकाई – 3

इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरूप
इलेक्ट्रोनिक मीडिया के लिए लेखन (टी०वी०, रेडियो, फिल्म आदि)
कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु लेखन (समाचार चैनल, रिपार्टिंग, मनोरंजन, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन लेखन, एंकरिंग आदि)

इकाई – 4

सोशल मीडिया और हिंदी
ई–कॉमर्स, ई–बिजनस, ई–पत्रिका आदि
सोशल मीडिया की भाषा

सहायक पुस्तकें:–

संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमंड विलियम्स
संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी०सी० जोशी
हिंदी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास : अर्जुन तिवारी
साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार – रामशरण जोशी
पत्रकारिता में अनुवाद : रामशरण जोशी – राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
पटकथा लेखन एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हिंदी विज्ञापन की भाषा : आशा पाण्डेय – ब्लैकी एंड एन पब्लिकेशंस, दिल्ली
समाचार संकलन एवं लेखन : नंद किशोर त्रिखा – उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
इलेक्ट्रोनिक मीडिया लखेन : रमेश जैन – आधार प्रकाशन
जनसंचार माध्यमों में हिंदी : चंद्र कुमार – क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली
पत्रिका संपादन कला : रामचंद्र तिवारी – आलेख प्रकाशन, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ट प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-206 **(i)**

(प्रेमचन्द)

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- प्रेमचन्द युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- प्रेमचन्द की साहित्यिक संवेदना और भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- प्रेमचन्द युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ का विकास।
- नवजागरण व राष्ट्रीय आंदोलन में हिन्दी साहित्य की भूमिका का पक्ष स्पष्ट होगा।
- भाषा और राष्ट्र के महत्त्व का बोध।
- जीवन और साहित्य के मूल्य की समझ।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई– 1

राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द
प्रेमचन्द की साहित्य दृष्टि
प्रेमचन्द और पत्रकारिता
प्रेमचन्द और किसान
प्रेमचन्द : स्त्री एवं दलित प्रश्न
प्रेमचन्द की कथा भाषा
प्रेमचन्द का आदर्श और यथार्थ

इकाई – 2

उपन्यास : रंगभूमि

इकाई – 3

कहानियाँ : बड़े घर की बेटी, कफन, पूस की रात, सद्गति, ठाकुर का कुआँ

इकाई – 4

निबंध : साहित्य का उद्देश्य, कहानी कला– 1,2,3, महाजनी सभ्यता, साम्प्रदायिकता और संस्कृति

सहायक पुस्तकें:–

मानसरोवर (भाग 1 से 8) : प्रेमचंद – प्रकाशन संस्थान
कलम का सिपाही – अमृतराय – साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी – सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद और भारतीय किसान – डॉ० रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंदः साहित्यिक विवेचन – नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
आलोचना का जनपक्ष – चंद्रबली सिंह – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद चिंतन और कला : सं० इंद्रनाथ मदान – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध : सं० सत्यप्रकाश मिश्र – लोकभारती प्रकाशन
नई सदी की दहलीज पर : विनोद तिवारी – विजया बुक्स, दिल्ली

द्वितीय सेमेस्टर
षष्ट प्रश्न पत्र

24L6.0-HIN-206 **(ii)**
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

पूर्णांक : 100
आंतरिक मूल्यांकन : 30
लिखित : 70
समय : 3 घण्टे

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- अज्ञेय युगीन परिस्थितियों, साहित्य दर्शन और साहित्यिक योगदान का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- अज्ञेय की साहित्यिक संवेदना और भाषा का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (CO)

- अज्ञेय युगीन सामाजिक सरोकारों व मूल्यों की समझ विकसित होगी।
- अज्ञेय के साहित्य अवदान की समझ।
- भाषा और राष्ट्र के महत्त्व का बोध।
- अज्ञेय की कविता कहानियों तथा साहित्य चिंतन की विशिष्टता बोध।

नोटः–

1 पूरे पाठ्यक्रम से 6 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।
2 इकाई 1 से कोई 6 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में से किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 16 अंक का होगा।
3 इकाई 2, 3 एवं 4 से छह अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम से कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंक का होगा।
4 निर्धारित रचनाओं व रचनाकारों से संबंधित कोई 6 आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग रचनाओं या रचनाकारों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 30 अंकों का होगा।

इकाई – 1

कवि अज्ञेय, तार सप्तक और प्रयोगवाद
अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति
अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद
अज्ञेय का कथा साहित्य
अज्ञेय की भाषा और शिल्प

इकाई – 2

कविताएँ

असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, कितनी नावों में कितनी बार

इकाई– 3

उपन्यास : नदी के द्वीप

इकाई– 4

कहानी : रोज, पगौडा वृक्ष, पठार का धीरज, शरणार्थी

निबंध : कला का स्वभाव एवं उद्देश्य, साहित्य, संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रिया

सहायक पुस्तकें:–

अज्ञेयः आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
अज्ञेय रचनावली : सं० कृष्णदत्त पालीवाल – भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी– नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी – लोकभारती प्रकाशन
अज्ञेय और नयी कविता : सं० चंद्रकला त्रिपाठी – संजय बुक सेंटर, वाराणसी
अज्ञेयः कवि कर्म का संकट : कृष्णदत्त पालीवाल –
अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग : श्रीलाल शुक्ल –

द्वितीय सेमेस्टर
सप्तम् प्रश्न पत्र

HIN-.....
(OEC)

सवैंधानिक मानवीय और नैतिक मूल्य

पूर्णांक : 50
आंतरिक मूल्यांकन : 15
लिखित : 35
समय : 3 घण्टे